BA-III
मैथिली प्रतिष्ठा
पत्र - पाँच
व्याख्यान - III
मैथिली साहि० इ० (आधुनिक काल)

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि व्याख्याता)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (L.N.M.U)

Topic: रमेश्वरचरित मिथिलारामायण मे लालदासक योगदान

रमेश्वरचरित मिथिला रामायण मैथिली क्षेत्रमे रामायणक दोसर युग विधाक प्रस्तुति थिक। ई आठ सर्ग मे बाँटल गेल अछि। पहिल बेर महामायाक अवतारक रूपमे सीताक एतेक शक्तिशाली चरित्रक प्रकाशन भेल अछि। ओ सृष्टिक सर्वोच्च शक्ति थिकीह, ब्रह्मक चिरन्तन प्रकाश थिकीह। एतय रामक कथा सीता-चरित्रक समुत्कर्ष आ हुनक जन्मभूमिक यश प्रस्थापित करबाक लेल सहज आ सरल वर्णनात्मक शैली मे कहल गेल अछि। सीताक सारतत्व, मिथिलाक बेटी-नारी-शक्तिक प्रतीक रूपमे आ मिथिला, सांस्कृतिक धरोहरिक रूपमे जानल जयबाक चाही। लालदासक रामायण मिथिला भूमि आ एकर भाषा मैथिलीक लेल बहुत महत्वपूर्ण अछि। सीता आ राम सृष्टिक हितैषिणी माता आ स्नेही पिताक प्रतिनिधित्व करैत छथि। राम ओ आभिन्न अंग थिकीह तथापि साध आ धर्मक नियामक धर्म राज्यक संस्थापन लेल ओलोकनि भिन्न-भिन्न भूमिकामे अवतीर्ण छथि। सीता बिना राम दुर्बल आ दयाक पात्र छथि। यैह कारण थिक जाहिसँ रावण वधसँ पूर्व रामकेँ शक्तिक पूजा करय पड़लनि। मधकाली रूपमे लैत सीता एतय रामक संरक्षिका थिकीह अधाकि पुष्पकक पताका ध्यानक मूल कथामे चयरीजकेँ

सातल अछि तैयो नायिका रूपमे सीताक चित्रणमे एकर नमहर भागीदारी छैक। ई सिद्ध करैत अछि जे बिनु सीताक सहयोगे रामक कथमपि राम नहि भऽ सकैत छलाह। "डॉ० नारायण झाक कथन अछि जे- हिनक रामायणमे नव-नव प्रसंगक स्थान महत्वपूर्ण अछि एहि प्रबन्धकाव्यमे नारीक मातृत्व रूपक प्रधानता देखाओल गेल अछि। चरित्र-चित्रण, सामाजिक नियम, आचार-विचार, सभ्यता संस्कृति सभक दृष्टिएँ ई अनमोल निधि मानल जायत। आन पक्षक दृष्टिएँ एहि रामायणक ई विशेषता अछि जे एहिमे व्यक्ति ओ समाजक प्रतिनिधित्व भेटैत अछि। एकर कथानक सार्वभौम, सर्वकालिक एवं सार्वजनिक अछि आ ई समाज ओ काव्य दुहुके गति प्रदान कयलक अछि। चरित्र-चित्रण, अभिव्यक्ति-कौशल एवं भतन संघटन एकर विशेष विलक्षण अछि।"[1]

संदर्भ :- मैथिली गद्य-गौरव पृष्ठ-163 सं०- शरदिन्दु चौधरी